

UGC NET PAPER 3 NOVEMBER 05, 2017 SHIFT 1 PRAKRIT QUESTION PAPER

Note : This paper contains **seventy five (75)** objective type questions of **two (2)** marks each.
All questions are compulsory.

1. 'Prakṛteti sakala jagajjantunaṃ vyakaraṇadibhiranahita saṃskaraḥ sahajo vacanavyapāraḥ prakṛtiḥ tatra bhavaṃ saiva vā prakṛtam' - this statement is made by :
 (1) Rajaśekhara (2) Namisadhu (3) Abhayadeva (4) Vakpatiraja
2. The second recitation of Agamas was held at Mathura under leadership of :
 (1) Ārya Skandila (2) Nagarjuna (3) Bhadrabahu (4) Sthulabhadra
3. This text is included in the works of Achārya KundaKunda :
 (1) Gommatasara (2) Pravacanasara (3) Ṣatkhandagama (4) Yogasara
4. The 'KesīGoyama' is a part of this text :
 (1) Vipakasutra (2) Ṇayadhammakaha
 (3) Uttaradhyayanasutra (4) Nandisutra
5. Prominent author of Śauraseni Prakrit texts is :
 (1) Haribhadrasuri (2) Samantabhadra (3) Kundakunda (4) Svayambhu
6. Life description of ten śrāvakaś is found in this Āgama :
 (1) Uvasagadasāngasutta (2) Rayapaseniya
 (3) Antagadadasao (4) Kappasutta
7. The main feature of the chapter 'Samaya' of the Sutrakṛtaṅga is :
 (1) Description of the regular duties
 (2) Depiction of the nature
 (3) Justification of the doctrines of self and others
 (4) Counting period

नोट : इस प्रश्नपत्र में पचहत्तर (75) बहु-विकल्पीय प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न के दो (2) अंक हैं। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. प्राकृतेति सकल जगज्जन्तूनां व्याकरणादिभिरनाहित संस्कारः सहजो वचनव्यापारः प्रकृतिः, तत्र भवं सैव वा प्राकृतम् - इह उद्धरण इस विद्वान द्वारा कथित है :
 - (1) राजशेखर
 - (2) नमिसाधु
 - (3) अभयदेव
 - (4) वाक्पतिराज
2. मथुरा में द्वितीय आगम वाचना इनके नेतृत्व में हुई थी :
 - (1) आर्य स्कंदिल
 - (2) नागार्जुन
 - (3) भद्रबाहु
 - (4) स्थूलभद्र
3. आचार्य कुन्दकुन्द के ग्रन्थों में यह सम्मिलित है :
 - (1) गोम्मटसार
 - (2) प्रवचनसार
 - (3) षट्खण्डागम
 - (4) योगसार
4. 'केसी - गोयम' इस ग्रन्थ का एक भाग है :
 - (1) विपाकसूत्र
 - (2) णायधम्मकहा
 - (3) उत्तराध्ययनसूत्र
 - (4) नन्दिसूत्र
5. शौरसेनी प्राकृत ग्रन्थों के प्रमुख लेखक हैं :
 - (1) हरिभद्रसूरि
 - (2) समन्तभद्र
 - (3) कुन्दकुन्द
 - (4) स्वयम्भू
6. दस श्रावकों के जीवन का वर्णन इस आगम में प्राप्त है :
 - (1) उवासगदसांगसुत्त
 - (2) रायपसेणिय
 - (3) अन्तगडदसाओ
 - (4) कप्पसुत्त
7. सूत्रकृतांग के 'समय' अध्ययन की प्रमुख विषयवस्तु है :
 - (1) दैनिक क्रियाओं का वर्णन
 - (2) प्रकृति-चित्रण
 - (3) अपने और दूसरे मतों का निरूपण
 - (4) काल-गणना

8. Śauraseni Āgama texts are based on this early Prakrit text :
- (1) Diṭṭhīvāya (2) Parikarma (3) Ācārāṅga (4) Mūlacāra
9. The preceding vowel of the conjunct consonant becomes :
- (1) Short (2) Long (3) Prolated (4) Diphthong
10. This is an example of ablative plural form :
- (1) vacchā (2) rāmeṇaṃ (3) mālāsunta (4) phalaṃ
11. The word 'tavat' is changed optionally into śauraseni as :
- (1) java (2) dava (3) dāva (4) ta
12. Earliest feature of Ardhamagadhī can be seen in this text :
- (1) Ācaraṅga sūtra (2) Suryaprajñāpti
(3) Uttarādhyayana sūtra (4) Kalpa sūtra
13. The word 'Ramaḥ' is changed into Māgadhī as :
- (1) lame (2) rāme (3) lamo (4) lama
14. This is an example of conditional mood :
- (1) hasejja (2) kaṇa (3) gao (4) kahei
15. This is an example of prothesis :
- (1) olla (2) ettha (3) itthi (4) addha
16. This text was written into paiśācī prakrit :
- (1) ravaṇavaho (2) vaḍḍakaha (3) gahasattasa (4) līlavaikaha
17. The Introduction of Ardhamāgadhī language has been mentioned in this Āgama text :
- (1) Suyagado (2) Vivagasuyam (3) Ṭhaṇaṅga (4) Samavayaṅga

8. शौरसेनी आगम ग्रन्थ इस प्राचीन प्राकृत ग्रन्थ पर आधारित हैं :
- (1) दिट्ठीवाय (2) परिकर्म (3) आचारांग (4) मूलाचार
9. संयुक्त व्यंजन के पूर्वस्वर की स्थिति यह होती है :
- (1) ह्रस्व (2) दीर्घ (3) लुप्त (4) सन्ध्यक्षर
10. यह पंचमी बहुवचन का उदाहरण है :
- (1) वच्छा (2) रामेणं (3) मालासुंतो (4) फलं
11. शौरसेनी में 'तावत्' शब्द का परिवर्तन विकल्प से इस प्रकार से होता है :
- (1) जाव (2) दाव (3) दावओ (4) ता
12. अर्धमागधी का सबसे प्राचीन रूप इस ग्रंथ में मिलता है :
- (1) आचारांग सूत्र (2) सूर्यप्रज्ञप्ति
(3) उत्तराध्ययन सूत्र (4) कल्पसूत्र
13. 'रामः' शब्द का मागधी में इस प्रकार परिवर्तन होता है :
- (1) लामे (2) रामे (3) लामो (4) लामा
14. यह क्रियातिपत्ति का एक उदाहरण है :
- (1) हसेज्ज (2) कारुण (3) गओ (4) कहेइ
15. यह आदिस्वरागम का एक उदाहरण है :
- (1) ओल्ल (2) एत्थ (3) इत्थी (4) अद्ध
16. यह ग्रंथ पैशाची प्राकृत में लिखा गया था :
- (1) रावणवहो (2) वडुकहा (3) गाहासत्तसई (4) लीलावईकहा
17. 'अर्धमागधी भाषा' के परिचय का उल्लेख इस आगम ग्रन्थ में प्राप्त है :
- (1) सूयगडो (2) विवागसुयं (3) ठाणांग (4) समवायांग

18. Name of the sixth Aṅga Āgama is :
- (1) Nāyādhammakahā (2) Paṇhavāgaraṇaṃ
(3) Vivāhapaṇṇatti (4) Vivāgasūyaṃ
19. The meaning of the word 'Vivāga' in Vivāgasūyaṃ is :
- (1) the result - happiness and sorrow (2) vivāda
(3) vivecana (4) different doctrines
20. The subject matter of the Rayaṇasāra is :
- (1) Monastic ethics
(2) Examination of gems
(3) Code of conduct of the house holders
(4) The stories of great men
21. This has also been called for the Ācārāṅgasūtra :
- (1) Essence of the time (2) Essence of the Aṅga canonical texts
(3) Collection of substances (4) Essence of adoration
22. This group of texts belongs to Śauraseni language -
- (1) Vipakasūtra, Samayasāra, Ācharaṅga
(2) Pravachanasāra, Bhagawati Āradhana, Draya Saṅgraha
(3) Mūlachāra, Niyamasāra, Kalpasūtra
(4) Nāyādhammakaha, Atthapahuda, Kaṣayapahuda
23. 'Anuyogadāra' is composed by :
- (1) Bhadrabāhu (2) Nemichandra (3) Arya Rakshita (4) Devavāchaka
24. Hemacandra is the author of this text :
- (1) Kummāpuṭṭa cariyaṃ (2) Dhammarasayaṇa
(3) Rayaṇavali (4) Naṇapaṅcamikaha

18. छठे अंग आगम ग्रन्थ का नाम है :

- | | |
|-------------------|----------------|
| (1) णायाधम्मकहा | (2) पण्हवागरणं |
| (3) विवाहपण्णत्ति | (4) विवागसूयं |

19. 'विवागसूयं' आगम ग्रन्थ में 'विवाग' का अर्थ है :

- | | |
|--------------------|----------------|
| (1) सुख-दुख रूप फल | (2) विवाद |
| (3) विवेचन | (4) विभिन्न मत |

20. 'रयणसार' का प्रमुख विषय है :

- (1) मुनिआचार
- (2) रत्नों की परीक्षा
- (3) श्रावकाचार
- (4) महापुरुषों की कथाएँ

21. आचारांगसूत्र को यह भी कहा गया है :

- | | |
|------------------------|-------------------------|
| (1) समय का सार | (2) अंग ग्रन्थों का सार |
| (3) द्रव्यों का संग्रह | (4) आराधना का सार |

22. ग्रन्थों का यह समूह शौरसेनी प्राकृत का है :

- (1) विपाकसूत्र, समयसार, आचारांग
- (2) प्रवचनसार, भगवती आराधना, द्रव्यसंग्रह
- (3) मूलाचार, नियमसार, कल्पसूत्र
- (4) णायाधम्मकहा, अट्टपाहुड, कसायपाहुड

23. 'अनुयोगदार' के रचनाकार हैं :

- | | | | |
|--------------|----------------|-----------------|-------------|
| (1) भद्रबाहु | (2) नेमिचन्द्र | (3) आर्य रक्षित | (4) देववाचक |
|--------------|----------------|-----------------|-------------|

24. हेमचन्द्र इस ग्रन्थ के लेखक हैं :

- | | |
|----------------------|-----------------|
| (1) कुम्मापुत्तचरियं | (2) धम्मरसायण |
| (3) रयणावली | (4) णाणपंचमीकहा |

25. This text does not come under “Muktakakavyas” :

- | | |
|-----------------|--------------------|
| (1) Vajjalaggaṃ | (2) Gahasattasai |
| (3) Kaṃsavaho | (4) Viṣamabaṇaḥīla |

26. Read units - I and II for correct match :

Unit - I	Unit - II
(a) Muktaka Kāvya	(i) Saṃvegaraṅgasālā
(b) Khanda Kāvya	(ii) Gahasattasai
(c) Champu Kāvya	(iii) Ushaniruddha
(d) Kathā Kāvya	(iv) Kuvalayamālākahā

Identify the correct answer :

- | | | | |
|-----------------|----------------|----------------|---------------|
| (1) (a) + (iii) | (2) (b) + (iv) | (3) (c) + (ii) | (4) (d) + (i) |
|-----------------|----------------|----------------|---------------|

27. This is the first Charita Kavya in Prakrit Literature :

- | | |
|---------------------------|------------------------|
| (1) Rāyaṇacudarāyācariyaṃ | (2) Mahavīracariyaṃ |
| (3) Paumacariyaṃ | (4) Surasundarīcariyaṃ |

28. A commentary in Prakrit Language is written on this text :

- | | |
|----------------------|--------------------------|
| (1) Kuvalayamālākahā | (2) Kummāpuṭṭacariyaṃ |
| (3) Ākhyānaṃkośa | (4) Rāyaṇaseharaṇivakahā |

29. This writer is not the commentator of the canons :

- (1) Sanghadasaṅgaṇi Kshamashramaṇa
- (2) Bhadrabahu
- (3) Hari bhadrāsūri
- (4) Shivakoti

30. This is the correct pair :

- | | | |
|-------------------------|---|--------------|
| (1) Kumārpālacarita | - | Khaṇḍakāvya |
| (2) Kaṃsavaho | - | Mahakavya |
| (3) Kathākośa Prakaraṇa | - | Muktakakāvya |
| (4) Kaharayaṇakośa | - | Kathakavya |

25. यह ग्रंथ मुक्तक काव्यों में परिगणित नहीं है :

- | | |
|--------------|-----------------|
| (1) वज्जालगं | (2) गाहासत्तसई |
| (3) कंसवहो | (4) विषमबाणलीला |

26. प्रथम और द्वितीय इकाईओं को सही मिलान के लिए पढ़ें :

- | इकाई - I | इकाई - II |
|------------------|-------------------|
| (a) मुक्तक काव्य | (i) संवेगरंगसाला |
| (b) खण्ड काव्य | (ii) गाहासत्तसई |
| (c) चम्पू काव्य | (iii) उषानिरुद्ध |
| (d) कथा काव्य | (iv) कुवलयमालाकहा |

सही उत्तर की पहचान करें :

- | | | | |
|-----------------|----------------|----------------|---------------|
| (1) (a) + (iii) | (2) (b) + (iv) | (3) (c) + (ii) | (4) (d) + (i) |
|-----------------|----------------|----------------|---------------|

27. यह प्राकृत साहित्य का प्रथम चरितकाव्य है :

- | | |
|--------------------|---------------------|
| (1) रयणचूडरायचरियं | (2) महावीरचरियं |
| (3) पउमचरियं | (4) सुरसुन्दरीचरियं |

28. इस ग्रन्थ पर प्राकृत भाषा में टीका लिखी गई है :

- | | |
|------------------|----------------------|
| (1) कुवलयमालाकहा | (2) कुम्मापुत्तचरियं |
| (3) आख्यानमणिकोश | (4) रयणसेहरणिवकहा |

29. ये आगम के टीकाकार नहीं हैं :

- | | |
|--------------------------|--------------|
| (1) संघदासगणि क्षमाश्रमण | (2) भद्रबाहु |
| (3) हरिभद्रसूरि | (4) शिवकोटि |

30. सही युग्म यह है :

- | | | |
|-------------------|---|-------------|
| (1) कुमारपालचरित | - | खण्डकाव्य |
| (2) कंसवहो | - | महाकाव्य |
| (3) कथाकोश प्रकरण | - | मुक्तककाव्य |
| (4) कहारयणकोश | - | कथाकाव्य |

31. This group is of Śaṭṭaka texts :

- (1) Nāgānanda, Mālatīmādhava, Karpūramāñjarī
- (2) Kaṁsavaho, Usāniruddha, Candalehā
- (3) Candalehā, Ānandasundarī, Siṅgāramāñjarī
- (4) Rambhāmañjarī, Gahāsattasāī, Vajjālaggaṃ

32. The language used by female characters in dramas is :

- (1) Magadhī
- (2) Śauraseni
- (3) Ardhamagadhī
- (4) Maharaṣṭrī

33. Mṛcchakatika text belongs to this form of literature :

- (1) Prakaraṇa
- (2) Prahāsana
- (3) Rasaka
- (4) Śaṭṭaka

34. The language used by Vidūṣaka in dramas is :

- (1) Paiśacī
- (2) Māgadhī
- (3) Mahārāṣṭrī
- (4) Sauraseni

35. This is the correct pair

- (1) Karpūramāñjarī and Jaitrachandra
- (2) Rambhāmañjarī and Chandrapāla
- (3) Ānandasundarī and Navachandra
- (4) Candaleha and Manaveda

36. Read the Units I and II for the correct match :

I	II
(a) Siṅgāramāñjarī	(i) Chandrapāla
(b) Ānandasundarī	(ii) Jaitrachandra
(c) Rambhāmañjarī	(iii) Rajaśekhar
(d) Karpuramañjarī	(iv) Śikhaṇḍachandra

Identify the correct answer :

- | | (a) | (b) | (c) | (d) |
|-----|-------|-------|-------|-------|
| (1) | (iii) | (iv) | (ii) | (i) |
| (2) | (iv) | (ii) | (i) | (iii) |
| (3) | (ii) | (i) | (iii) | (iv) |
| (4) | (i) | (iii) | (iv) | (ii) |

31. यह समूह सट्टक ग्रन्थों का है :

- (1) नागानन्द, मालतीमाधव, कर्पूरमंजरी
- (2) कंसवहो, उसाणिरुद्ध, चन्दलेहा
- (3) चन्दलेहा, आनन्दसुन्दरी, सिंगारमंजरी
- (4) रंभामंजरी, गाहासत्तसई, वज्जालगंग

32. नाटकों में महिला पात्रों द्वारा प्रयुक्त भाषा है :

- (1) मागधी
- (2) शौरसेनी
- (3) अर्धमागधी
- (4) महाराष्ट्री

33. मृच्छकटिक साहित्य की इस विधा का ग्रन्थ है :

- (1) प्रकरण
- (2) प्रहसन
- (3) रासक
- (4) सट्टक

34. नाटकों में विदूषक यह भाषा प्रयुक्त करता है :

- (1) पैशाची
- (2) मागधी
- (3) महाराष्ट्री
- (4) शौरसेनी

35. यह युग सही है :

- (1) कर्पूरमंजरी और जैत्रचन्द्र
- (2) रंभामंजरी और चन्द्रपाल
- (3) आनन्दसुन्दरी और नवचन्द्र
- (4) चन्दलेहा और मानवेद

36. प्रथम और द्वितीय इकाईओं का सही मिलान कीजिए :

I	II
(a) सिंगारमंजरी	(i) चन्द्रपाल
(b) आनन्दसुन्दरी	(ii) जैत्रचन्द्र
(c) रंभामंजरी	(iii) राजशेखर
(d) कर्पूरमंजरी	(iv) शिखण्डचन्द्र

सही उत्तर को पहचानिए :

- | | (a) | (b) | (c) | (d) |
|-----|-------|-------|-------|-------|
| (1) | (iii) | (iv) | (ii) | (i) |
| (2) | (iv) | (ii) | (i) | (iii) |
| (3) | (ii) | (i) | (iii) | (iv) |
| (4) | (i) | (iii) | (iv) | (ii) |

37. Mainly this Prakrit has been used in the Sattaka of Rajaśekhara :
- (1) Magadhi (2) Arddhamagadhi (3) Śauraseni (4) Paiśaci
38. The number of Gathas found in the Rāyaṇavalī is _____.
- (1) 783 (2) 883 (3) 683 (4) 983
39. Emperor Kharavela has constructed a royal palace named as :
- (1) Kantivijaya Prasada (2) Kulakamalavijaya Prasada
(3) Dharmarajavijaya Prasada (4) Mahavijaya Prasada
40. The word 'Palavabhara' is found in Hathigumpha inscription in this line :
- (1) Sixth (2) Tenth (3) Eighth (4) Nineth
41. The main subject matter of Hathigumpha inscription is :
- (1) Geography
(2) Philosophy
(3) Spiritualism
(4) Expansion of the state and construction
42. 'Saravaḍhi' the word has been used in this version of Girnar Inscription of Aśoka :
- (1) Fourth (2) Twelfth (3) Tenth (4) Sixth
43. In this age of the ruling of Kharavela, Vahasatimitta performed worshipping the feet of Kharavela :
- (1) Sixth (2) Eighth (3) Twelfth (4) Tenth
44. Khāavela was anointed as prince at this age :
- (1) Twelve (2) Ten (3) Nine (4) Thirteen
45. The title 'Priyadarśi' has been famous for this Indian Emperor :
- (1) Kharavela (2) Aśoka (3) Nanda (4) Satavahana

37. राजशेखर के सट्टक में मुख्यतः यह प्राकृत प्रयुक्त हुयी है :
- (1) मागधी (2) अर्द्धमागधी (3) शौरसेनी (4) पैशाची
38. रयणावली में गाथाओं की संख्या इतनी पायी जाती है :
- (1) 783 (2) 883 (3) 683 (4) 983
39. सम्राट खारवेल ने इस नाम के राज निवास का निर्माण कराया :
- (1) कांतिविजय प्रासाद (2) कुलकमल विजय प्रासाद
(3) धर्मराजविजय प्रासाद (4) महाविजय प्रासाद
40. 'पलवभार' शब्द-प्रयोग हाथीगुम्फा शिलालेख की इस पंक्ति में उपलब्ध है :
- (1) छठी (2) दशवीं (3) आठवीं (4) नौवीं
41. हाथीगुम्फा - शिलालेख का प्रमुख वर्ण्य-विषय है :
- (1) भूगोल
(2) दर्शन
(3) अध्यात्म
(4) राज्य विस्तार एवं निर्माण
42. सम्राट अशोक के इस गिरनार शिलालेख में 'सारवढी' शब्द का उल्लेख मिलता है :
- (1) चतुर्थ (2) बारहवें (3) दशवें (4) छठे
43. वहसतिमित्त ने सम्राट खारवेल की पाद-वन्दना उसके राज्य काल के इस वर्ष में की :
- (1) छठे (2) आठवें (3) बारहवें (4) दसवें
44. खारवेल इस आयु में युवराज-पदाधिकारी बना :
- (1) बारह वर्ष में (2) दस वर्ष में (3) नौ वर्ष में (4) तेरह वर्ष में
45. इस भारतीय शासक के लिये "प्रियदर्शी" की उपाधि प्रसिद्ध है :
- (1) खारवेल (2) अशोक (3) नन्द (4) सातवाहन

46. Hemachandra is the author of this text :

- | | |
|-------------------------|------------------------|
| (1) Paiyalacchinamamala | (2) Deśinamamala |
| (3) Pāiyasaddamahāṇava | (4) Vṛttajāṭisamuccaya |

47. The number of Gathas in Alaṅkāra Dappāṇa is

- | | | | |
|---------|---------|---------|---------|
| (1) 234 | (2) 134 | (3) 343 | (4) 434 |
|---------|---------|---------|---------|

48. Read the units I and II for the correct match :

- | I | II |
|-----------------|-------------------------|
| (a) Hemachandra | (i) Pāiyalacchinamamālā |
| (b) Dhanapala | (ii) Rayaṇavali |
| (c) Virahaṅka | (iii) Gahālakkaṇa |
| (d) Nanditādhyā | (iv) Vṛttajāṭisamuccaya |

Identify the correct answer :

- | | (a) | (b) | (c) | (d) |
|-----|-------|-------|-------|-------|
| (1) | (iii) | (ii) | (i) | (iv) |
| (2) | (iv) | (iii) | (ii) | (i) |
| (3) | (ii) | (i) | (iv) | (iii) |
| (4) | (i) | (iv) | (iii) | (ii) |

49. The other name of Deśināmamālā is :

- | | | | |
|----------------|---------------|----------------|---------------|
| (1) Kiraṇavali | (2) Śabdavali | (3) Rayaṇavali | (4) Muktavali |
|----------------|---------------|----------------|---------------|

50. The text Kavīdarpaṇa was composed in :

- | | | | |
|-------------------------|------------------------|-------------------------|-------------------------|
| (1) 10 th CE | (2) 9 th CE | (3) 13 th CE | (4) 14 th CE |
|-------------------------|------------------------|-------------------------|-------------------------|

51. This is the correct pair :

- | | | |
|------------------------|---|--------------------|
| (1) Chandahkośa | - | Ratna śekhara suri |
| (2) Gahālakkaṇa | - | Virahāṅka |
| (3) Vṛttajāṭisamuccaya | - | Svayambhū |
| (4) Svayambhū Chanda | - | Jinaprabha |

46. हेमचन्द्र इस ग्रन्थ के लेखक हैं :

- | | |
|----------------------|----------------------|
| (1) पाइयलच्छीनाममाला | (2) देशीनाममाला |
| (3) पाइयसहमहण्णव | (4) वृत्तजातिसमुच्चय |

47. अलंकारदप्पण में गाथाओं की संख्या है :

- | | | | |
|---------|---------|---------|---------|
| (1) 234 | (2) 134 | (3) 343 | (4) 434 |
|---------|---------|---------|---------|

48. प्रथम और द्वितीय तालिकाओं को पढ़े और सही मिलान करें :

- | I | II |
|----------------|------------------------|
| (a) हेमचन्द्र | (i) पाइयलच्छीनाममाला |
| (b) धनपाल | (ii) रयणावली |
| (c) विरहांक | (iii) गाहालक्खण |
| (d) नन्दिताद्य | (iv) वृत्तिजातिसमुच्चय |

सही उत्तर की पहचान कीजिए :

- | | (a) | (b) | (c) | (d) |
|-----|-------|-------|-------|-------|
| (1) | (iii) | (ii) | (i) | (iv) |
| (2) | (iv) | (iii) | (ii) | (i) |
| (3) | (ii) | (i) | (iv) | (iii) |
| (4) | (i) | (iv) | (iii) | (ii) |

49. देशीनाममाला का दूसरा नाम यह है :

- | | | | |
|--------------|--------------|-------------|---------------|
| (1) किरणावली | (2) शब्दावली | (3) रयणावली | (4) मुक्तावली |
|--------------|--------------|-------------|---------------|

50. कविदर्पण ग्रन्थ इस समय में लिखा गया :

- | | | | |
|-----------------------|----------------------|-----------------------|-----------------------|
| (1) 10 वीं शताब्दी ई. | (2) 9 वीं शताब्दी ई. | (3) 13 वीं शताब्दी ई. | (4) 14 वीं शताब्दी ई. |
|-----------------------|----------------------|-----------------------|-----------------------|

51. सही युग्म यह है :

- | | | |
|----------------------|---|--------------|
| (1) छन्दःकोश | - | रत्नशेखरसूरि |
| (2) गाहालक्खण | - | विरहांक |
| (3) वृत्तजातिसमुच्चय | - | स्वयम्भू |
| (4) स्वयम्भू छन्द | - | जिनप्रभ |

52. This group belongs to Lexi contexts :
- (1) Kavidarpaṇa, Chandakośa, Chandakandalī
 - (2) Veṅṣaṁhara, Nagananda, Mudrarakshasa
 - (3) Rayaṇavali, Paiyalacchinamamala, Paiyasaddamahaṇṇava
 - (4) Kavyadarśa, Kavyalamikara, Kavyaprakaśa
53. This is an example of changing of 'r' into 'u' :
- (1) uggo
 - (2) usaho
 - (3) saundalā
 - (4) sauṇo
54. Intervocative 'ṭa' is changed into Prakrit as :
- (1) ṭha
 - (2) a
 - (3) ṭa
 - (4) ḍa
55. This is an example of Anaptyxis :
- (1) rayaṇaṁ
 - (2) gamaṇaṁ
 - (3) calaṇaṁ
 - (4) sayanaṁ
56. Sometimes medial 'm' is changed into anusvāra, example of this is :
- (1) saṁkhyā
 - (2) daṁto
 - (3) saṁkappo
 - (4) vaṇaṁmi
57. 'manmathaḥ' becoming 'vammaho' is an example of :
- (1) dissimilation
 - (2) epenthesis
 - (3) prothesis
 - (4) syncope
58. 'vrācaḍa' is the sub - dialect of this language :
- (1) Śauraseni
 - (2) Magadhī
 - (3) Paiśaci
 - (4) Apabhraṁśa
59. The example of 'au' becoming 'o' is found in :
- (1) pokkharaṁ
 - (2) paropparaṁ
 - (3) pommaṁ
 - (4) poggalo
60. This suffix is added to the root in Prakrit past tense :
- (1) sī
 - (2) hi
 - (3) su
 - (4) ha

52. यह समूह कोशग्रन्थों से सम्बद्ध है :
- (1) कविदर्पण, छन्दकोश, छन्दकन्दली
 - (2) वेणीसंहार, नागानन्द, मुद्राराक्षस
 - (3) रयणावली, पाइयलच्छीनाममाला, पाइयसद्महण्णव
 - (4) काव्यादर्श, काव्यालंकार, काव्यप्रकाश
53. 'ऋ' का 'उ' में परिवर्तन होने का उदाहरण यह है :
- (1) उगो
 - (2) उसहो
 - (3) सउन्दला
 - (4) सउणो
54. स्वरमध्यवर्ती 'ट' का प्राकृत में इस प्रकार परिवर्तन होता है :
- (1) ठ
 - (2) अ
 - (3) ट
 - (4) ड
55. यह 'स्वरभक्ति' का एक उदाहरण है :
- (1) रयणं
 - (2) गमणं
 - (3) चलणं
 - (4) सयणं
56. कभी कभी शब्द-मध्यवर्ती 'म' का परिवर्तन अनुस्वार में होता है, इसका उदाहरण है :
- (1) संख्या
 - (2) दंतो
 - (3) संकप्पो
 - (4) वर्णमि
57. 'मन्मथः' का 'वम्महो' होना इसका उदाहरण है :
- (1) विषमीकरण
 - (2) मध्य स्वरागम
 - (3) आदि स्वरागम
 - (4) मध्य-ध्वनि लोप
58. 'ब्राचड' इस भाषा की उपबोली है :
- (1) शौरसेनी
 - (2) मागधी
 - (3) पैशाची
 - (4) अपभ्रंश
59. 'औ' के स्थान पर 'ओ' होने का उदाहरण इस में मिलता है :
- (1) पोक्खरं
 - (2) परोप्परं
 - (3) पोम्मं
 - (4) पोग्गलो
60. प्राकृत भूतकाल के लिए यह प्रत्यय धातु के साथ जुड़ता है।
- (1) सी
 - (2) हि
 - (3) सु
 - (4) ह

61. 'Savve paṇa piyaṇya...
Savvesiṃ jīviyaṃ piyaṃ.'
These statements are quoted from this canon
(1) Sthānāṅga (2) Samvāyaṅga (3) Ācārāṅga (4) Sūtrakṛtāṅga
62. The number of the uddeśakas of the first chapter of the first śrutaskandha of Acaraṅga is
(1) 7 (2) 6 (3) 5 (4) 4
63. In twenty third chapter of Uttarādhyāyanaśūtra, the dialogue took place between these two
(1) Nami - Indra
(2) Rajimati - Rathanemi
(3) Keśī - Gautama
(4) Kapila - Gautama
64. Commentaries on Pravacanasāra are written by
(1) Amṛtacandra and Jayasena (2) Śubhcandra and Malaygiri
(3) Nemicandra and Abhayacandra (4) Prabhācandra and Āśādhara
65. The statement 'Uppāyaṭṭhiibhaṅgā haṇḍi lakkhaṇaṃ' defines this term :
(1) Leśya (2) Nidana (3) Dravya (4) Saṃvara
66. This statement is **not** taken from Saṃmatitarka prakaraṇa of Siddhasena
(1) Davvaṭṭhiyo ya pajjavanaṇayo ya, sesa viyappa siṃ.
(2) Uttiviseso Kavvaṃ, bhāsā jā hou sā hou.
(3) Aha puṇa puṇvapautto attho eganta pakkhapadisehe.
(4) Atthagai u ṇayavāyagahaṇalīla durahigamma.
67. Read the 'terms' in **Unit - I** and number of types in **Unit - II** for correct match after Dravya Samgraha -
- | Unit - I | Unit - II |
|------------------|-----------|
| (a) Jīvasamāsa | (i) 5 |
| (b) Upayoga | (ii) 4 |
| (c) Ajīva Dravya | (iii) 14 |
| (d) Praṇa | (iv) 2 |
- Choose the **correct** answer code :
- (1) (a) + (iii) (2) (b) + (i) (3) (c) + (ii) (4) (d) + (iv)

61. 'सर्वे पाणा पियाउया... ।
सर्वेसिं जीवियं पियं ।'
ये कथन इस आगम से उद्धृत हैं ।
(1) स्थानांग (2) समवायांग (3) आचारांग (4) सूत्रकृताङ्ग
62. आचारांग के प्रथम श्रुतस्कन्ध के प्रथम अध्ययन के उद्देशकों की संख्या है ।
(1) 7 (2) 6 (3) 5 (4) 4
63. उत्तराध्ययनसूत्र के तेबीसवें अध्ययन में इन दोनों के बीच संवाद हुआ ।
(1) नमि - इन्द्र
(2) राजीमती - रथनेमि
(3) केशी - गौतम
(4) कपिल - गौतम
64. प्रवचनसार पर टीकाएँ इनके द्वारा लिखित हैं ।
(1) अमृतचन्द्र तथा जयसेन (2) शुभचन्द्र तथा मलयगिरि
(3) नेमिचन्द्र तथा अभयचन्द्र (4) प्रभाचन्द्र तथा आशाधर
65. 'उप्पायद्विभंगा हंदि लक्खणं' इसका लक्षण है :
(1) लेश्या (2) निदान (3) द्रव्य (4) संवर
66. यह उद्धरण सिद्धसेन कृत सन्मतितर्क प्रकरण से नहीं लिया गया है :
(1) दव्वद्वियो य पज्जवणयो य सेसा वियप्पा सिं ।
(2) उत्तिविसेसो कत्वं, भासा जा होउ सा होउ ।
(3) अह पुण पुव्वपउत्तो अत्थो एगंतपक्खपडिसेहे ।
(4) अत्थगई उ णयवायगहणलीला दुरहिगम्मा ।
67. इकाई - I में 'पद' और इकाई - II में प्रकारों की संख्या द्रव्यसंग्रह के अनुसार सही मिलान हेतु पढ़ें :

इकाई - I	इकाई -II
(a) जीवसमास	(i) 5
(b) उपयोग	(ii) 4
(c) अजीव द्रव्य	(iii) 14
(d) प्राण	(iv) 2

सही उत्तर कूट चुनिये :
(1) (a) + (iii) (2) (b) + (i) (3) (c) + (ii) (4) (d) + (iv)

68. The main event of the sixth act of Mṛchakatikā is :
- (1) Pravahaṇa - viparyaya (2) Alaṅkaranyasa
(3) Sañhāro (4) Durdina
69. “Ma dāva bho! sake gehe kukkuro vi davacaṅḍo bhodi” this statement of Mṛchakatika is made by :
- (1) Ceṭī (2) Vasantasenā (3) Sūtradhāra (4) Vidūṣaka
70. “Suṇaha aṇuraaiṇhaṃ siadukkhakkhaaṃ dahamuhassa vahaṃ” in this statement the term ‘dahamuhassa vahaṃ’ is used for :
- (1) Setubandha epic (2) Rāvaṇa - revenge
(3) Ram’s love (4) Bridge - construction
71. “Bhaṇiyam ca guruṇā Suhamma-Sāmiṇā” in this statement, given by Uddyotana Sūri, ‘Suhamma-sāmi’ is :
- (1) Sudarshan Swami (2) Sudharma Swami
(3) Subhaga Swami (4) Sukham Swami
72. ‘Dhammo ceva ettha purisattho pavaro’ this statement is quoted from this text of Uddyotanasuri :
- (1) Sulocanakaha (2) Vaḍḍakaha
(3) Kuvalayamālākahā (4) Samarāiccakahā
73. ‘Na Kassa maṇamohaṇam
Sasimuhīen hindolaṇam’ this statement is quoted from this text
- (1) Śṛṅgarmañjari (2) Ānandasundari (3) Karpuramañjari (4) Rambhamañjari

68. मृच्छकटिकम् के षष्ठ अंक की प्रमुख घटना है :

- | | |
|--------------------|-----------------|
| (1) प्रवहण-विपर्यय | (2) अलंकारन्यास |
| (3) संहारो | (4) दुर्दिन |

69. 'मा दाव भो! सके गेहे कुक्कुरो वि दावचण्डो भोदि'" मृच्छकटिक का यह कथन इसने कहा -

- | | | | |
|----------|---------------|--------------|------------|
| (1) चेटी | (2) वसन्तसेना | (3) सूत्रधार | (4) विदूषक |
|----------|---------------|--------------|------------|

70. "सुणह अणुराअण्हं सीआदुक्खक्खअं दसमुहस्स वहं" इस कथन में 'दसमुहस्स वहं' पद का प्रयोग इसके लिये हुआ है :

- | | |
|-----------------------|---------------------|
| (1) सेतुबन्ध महाकाव्य | (2) रावण - प्रतिशोध |
| (3) राम का प्रेम | (4) सेतु - निर्माण |

71. "भणियं च गुरुणा सुहम्म-सामिणा" उद्द्योतनसूरि के इस कथन में 'सुहम्म-सामि' ये हैं :

- | | |
|--------------------|-------------------|
| (1) सुदर्शन स्वामी | (2) सुधर्म स्वामी |
| (3) सुभग स्वामी | (4) सुखम् स्वामी |

72. 'धम्मो चेव एत्थ पुरिसत्थो पवरो' यह कथन उद्द्योतनसूरि के इस ग्रन्थ में उद्धृत है :

- | | |
|------------------|-----------------|
| (1) सुलोचनाकहा | (2) वडुकहा |
| (3) कुवलयमालाकहा | (4) समराइच्चकहा |

73. 'ण कस्स मणमोहणं ससिमुहीएँ हिंदोलणं' यह कथन इस ग्रन्थ से उद्धृत है

- | | | | |
|-------------------|------------------|-----------------|---------------|
| (1) श्रृंगारमंजरी | (2) आनन्दसुन्दरी | (3) कर्पूरमंजरी | (4) रंभामंजरी |
|-------------------|------------------|-----------------|---------------|

74. Read the Units I and II for correct match :

Unit - I	Unit - II
(a) Karpūramañjarī	(i) Prakaraṇa
(b) Kuvalayamālākahā	(ii) Saṭṭaka
(c) Setubandha	(iii) Campū
(d) Mṛcchakaṭika	(iv) Mahakavya

Choose the correct answer code :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(1)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(2)	(ii)	(iii)	(iv)	(i)
(3)	(iii)	(iv)	(i)	(ii)
(4)	(iv)	(i)	(ii)	(iii)

75. The subject matter of Samarāiccakahā is mainly based on this nature :

- (1) Co-operation (2) Revenge (3) Show - of (4) Helping others

74. सही मिलान करने हेतु प्रथम तथा द्वितीय इकाइयों को पढ़े :

इकाई - I	इकाई - II
(a) कर्पूरमंजरी	(i) प्रकरण
(b) कुवलयमालाकहा	(ii) सट्टक
(c) सेतुबन्ध	(iii) चम्पू
(d) मृच्छकटिक	(iv) महाकाव्य

सही उत्तर कूट चुनिये :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(1)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(2)	(ii)	(iii)	(iv)	(i)
(3)	(iii)	(iv)	(i)	(ii)
(4)	(iv)	(i)	(ii)	(iii)

75. सम्राट्चक्रहा की विषयवस्तु मुख्यतः इस प्रकृति पर आधारित है :

- (1) सहयोग (2) प्रतिशोध (3) प्रदर्शन (4) परोपकार

Space For Rough Work

prepp
Your Personal Exam Guide